'प्राथमिक शिक्षक' राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् की एक त्रैमासिक पत्रिका है। इस पत्रिका का मुख्य उद्देश्य है, शिक्षकों और संबद्ध प्रशासकों तक केंद्रीय सरकार की शिक्षा नीतियों से संबंधित जानकारियाँ पहुँचाना, उन्हें कक्षा में प्रयोग में लाई जा सकने वाली सार्थक और संबद्ध सामग्री प्रदान करना और देशभर के विभिन्न केंद्रों में चल रहे पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों आदि के बारे में समय पर अवगत कराते रहना। शिक्षा जगत् में होने वाली गतिविधियों पर विचारों के आदान-प्रदान के लिए भी यह पत्रिका एक मंच प्रदान करती है।

पत्रिका में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने होते हैं। अत: यह आवश्यक नहीं है कि प्रत्येक चिंतन में परिषद् की नीतियों को ही प्रस्तुत किया गया हो। इसलिए परिषद् का कोई उत्तरदायित्व नहीं है।

अकादमिक संपादक
लता पाण्डे
अकादमिक संपादकीय मंडल
इंदु कुमार
रमेश कुमार

नरेश यादव — *मुख्य संपादक (प्रभारी)*
रेखा अग्रवाल — *संपादक*
राजेन्द्र चौहान — *सहायक उत्पादन अधिकारी*

कविता

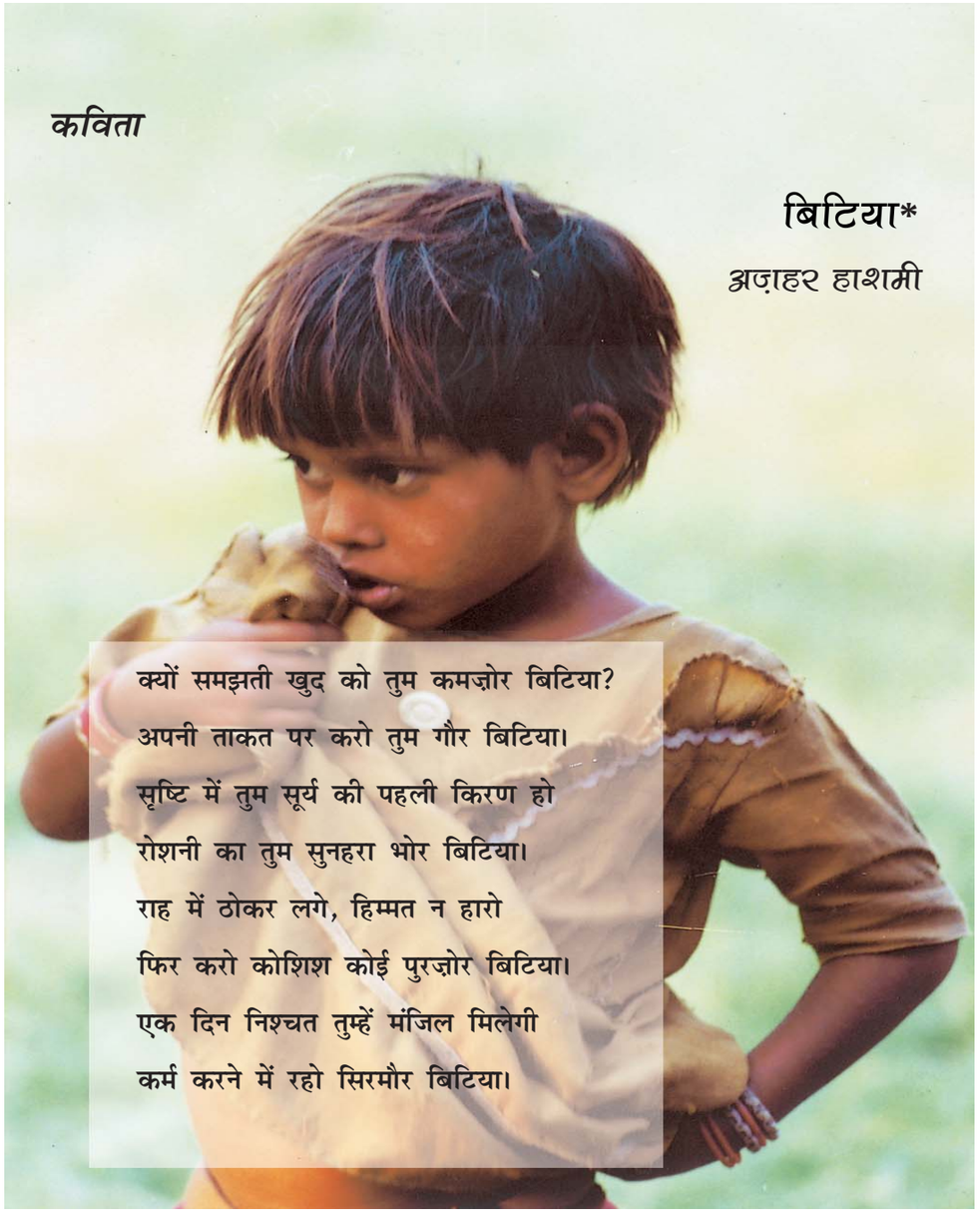

बिटिया*

अज़हर हाशमी

क्यों समझती खुद को तुम कमज़ोर बिटिया?
अपनी ताकत पर करो तुम गौर बिटिया।
सृष्टि में तुम सूर्य की पहली किरण हो
रोशनी का तुम सुनहरा भोर बिटिया।
राह में ठोकर लगे, हिम्मत न हारो
फिर करो कोशिश कोई पुरज़ोर बिटिया।
एक दिन निश्चत तुम्हें मंजिल मिलेगी
कर्म करने में रहो सिरमौर बिटिया।

* दैनिक भास्कर (रसरंग) 10. 07. 1994 से साभार